आज की मुरली का सार -------  Date: 02-06-2014

आज बाबा ने कहा, अवगुणों को निकालने का पूरा पुरुषार्थ करो, जिस गुण की कमी हैं उसका पोतामेल रखो, गुणों का दान करो तो गुणवान बन जायेंगे.

हमें स्वयं में चेक करना हैं की हमारे में कहा तक देवी-गुण आये हैं. वैसे तो देवी-गुणों की लिस्ट बड़ी लम्बी हैं लेकिन यहाँ हम मुख्य चार देवी-गुणों को हमारे में कैसे चेक करें ये समझेंगे.

चार मुख्य दैवी-गुणों हैं, पवित्रता, संतुष्टता, धैर्यता और रमणीकता.

संपूर्ण पवित्रता कि स्वयं में चैकिंग ---

- पवित्रता को चेक करने के लिए हमारी वृति को चेक करना हैं. अगर मेरी वृति स्वच्छ हैं तो मेरी आँख किसी पर ठहरेगी नहीं, आँख धोखा नहीं देगी. चेक करें की मन-वचन-कर्म से संबन्ध-सम्पर्क में आनेवाली सर्व आत्माओं प्रति हमारी वृति भाई-भाई की  रहती हैं.

- बाबा ने कहा हैं की व्यर्थ संकल्प भी अपवित्रता हैं. तो हमें ये स्वयं में चेक करना हैं की कहा तक व्यर्थ संकल्पों पर हमारा क़ाबू हैं.

- स्व से और परमपिता-परमात्मा से संपूर्ण ऑनेस्ट रहनेवाली आत्मा ही संपूर्ण पवित्र बन सकती हैं. तो चेक करें हम कितना ऑनेस्ट बने हैं.

- इस समय प्रकृति के पांचों तत्व संपूर्ण तमोप्रधान हैं इसलिए जभी हम पानी पीते या खाना खाते, बाबा की याद में रह पवित्रता की दृष्टि देकर खाते हैं.

- स्वप्न में भी अपवित्रता न आये इसलिए सोने से पहले दस मिनिट बाबा को याद कर बाद में सोते हैं.

संतुष्टता कि चैकिंग ---

- संतुष्टतमणी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क में आनेवाली आत्माये सुख, शांति, प्रेम और शक्ति अनुभव करेंगी, क्योंकि संतुष्टतमणी आत्मा में सुख, शांति, प्रेम ओर शक्ति के गुण  इमर्ज रुप में रहते हैं और यही हमारी चैकिंग पाइन्ट हैं की हमारे सम्बन्ध-सम्पर्क में आनेवाली आत्माये कहा तक हमसे  ये गुणों का अनुभव करती हैं.

- संतुष्टतमणी आत्मा के मन में होता हैं सबको सुख देना हैं. कोई भी दुखी आत्मा उसके सामने आती हैं तो उनको पौजीटिव संकल्पों और पौजीटिव वायुमंडल देकर उसके दुख को कम करेगी. चेक करें हम ऐसा करते हैं.

धैर्यता कि चैकिंग ---

- धैर्यता वाली आत्मा में सहनशीलता बहुत होती हैं. हमेशा वह दूसरों को आगे बढ़ाने में स्वयं को सुख महसूस करती हैं. इसलिए उनके जीवन में मंत्र हैं "पहले आप". चेक करें हमारे में कहा तक सहनशीलता हैं और हम दूसरों को गिरा कर तो आगे नहीं बढ़ते.

रमणीकता कि चैकिंग --

- रमणीकता में रहनेवाली आत्मा की निशानी हैं सदा लाइट रहेंगी. रमणीकतावाली आत्मा का स्वभाव बहुत मीठा होता हैं. कोई उसका अपमान भी करें तो भी उनको अपना मित्र बना देती हैं, उनको भी प्यार देती हैं, इतनी मिठास आत्मा में होती हैं. चेक करें हम कहा तक  ऐसा  मीठा बने हैं.

ॐ शांति.

Atma Bhai

a.brahmin.soul@gmail.com

www.bkdrluhar.com